फैशन-2

Content for:

M.A.1 Home Science (Paper 1)

CSJMU

Created by:

Smt. Sonia Khanna

(Associate professor)

Dept. of Home Science

G.N.G.P.G College, Kanpur

यह सामग्री विशेष रूप से शिक्षण और सीखने को बढ़ाने के शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए है। आर्थिक / वाणिज्यिक अथवा किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग पूर्णत: प्रतिबंध है। सामग्री के उपयोगकर्ता इसे किसी और के साथ वितरित, प्रसारित या साझा नहीं करेंगे और इसका उपयोग व्यक्तिगत ज्ञान की उन्नति के लिए ही करेंगे। इस ई-कंटेंट में जो जानकारी की गई है वह प्रामाणिक है और मेरे ज्ञान के अनुसार सर्वोत्तम है (The content is exclusively meant for academic purposes for enhancing teaching and learning. Any other use for economic/commercial purpose is strictly prohibited. The users of the content shall not distribute, disseminate or share it with anyone else and its use is restricted to advancement of individual knowledge. The information provided in this e-content is authentic and best as per knowledge)

फैशन के सिद्धांत

यह कहना कठिन है की फैशन कब और कैसे शुरू हुआ जबकि यह कहना आसान है कि किसी समय और स्थान में क्या चीज फैशन रही। समय अनुसार लोगों की सोच व आवश्यकताओं में जैसे-जैसे परिवर्तन आया वैसे वैसे बदलती जीवनशैली के साथ फैशन बदलता रहा है तथा भविष्य में भी बदलता रहेगा।

फैशन कब और कैसे बनता फैलता और अपनाया जाता है इस बारे में समाज वैज्ञानिकों ने अपने-अपने मत प्रस्तुत किए हैं जिनसे ये तीन सिद्धांत मुख्य रूप से हमारे सामने आते हैं जो निम्नानुसार हैं

- Trickle-down Theory
- Trickle-across Theory
- Bottom up Theory

Trickle-down Theory

यह सिद्धांत यह बताता है कि नई शैली का प्रथम आगमन समाज में कुछ प्रतिष्ठित लोगों में होता है और धीरे-धीरे समाज के निम्न स्तर के लोगों द्वारा इस शैली को अपनाया जाता है। प्राचीन काल में राजघरानों की शैली का अनुसरण निचले स्तर के लोगों द्वारा किया जाता था। इस प्रकार फैशन का प्रचलन समाज में ऊपर से नीचे की ओर बढ़ता है।

उदाहरण : फिल्मी सितारों द्वारा अपनाई गई शैली का आम जनता द्वारा अपनाया जाना

Trickle-Across Theory

इस सिद्धांत के अनुसार फैशन का प्रचलन समाज के विभिन्न वर्गों में एक साथ होता है। ऐसा अक्सर मुख्य परिधान में ना होकर accessories में देखा जाता है।

उदाहरण : किसी प्रकार की फुटवियर का प्रचलन एक साथ समाज के सभी वर्गों में होना

Bottom-up Theory

फैशन के प्रचलन का यह तीसरा सिद्धांत है जिसके अनुसार फैशन निचले स्तर से शुरू होकर उच्च स्तर तक बढ़ता है। सामान्यता यह फैशन किशोरों अथवा नौजवानों द्वारा आरंभ किया जाता है।

उदाहरण : हिप्पी स्टाइल, artificial jewellery

फैशन के प्रवाह को प्रभावित करने वाले तत्व
(Factors affecting fashion movement)

- फैशन के प्रेरक तत्व (Factors that speed up fashion movement)
- फैशन के बाधक तत्व (Factors that slow down fashion movement)

फैशन के प्रेरक तत्व
(factors that speed up fashion movement)

- संचार मीडिया (Mass media)
- अच्छी आर्थिक स्थितियां (Good economic conditions)
- उद्यमी प्रतियोगिता (Enterprising competition)
- तकनीकी विकास (Technological advancements)
- अधिक अवकाश गतिविधियां (More leisure activities)
- उच्च शैक्षिक स्तर (Higher levels of education)

फैशन के बाधक तत्व

(Factors that slow down fashion movement)

- निम्न आर्थिक स्थितियां (Poor economic conditions)
- धर्म (Religion)
- हानिकारक वैश्विक आयोजन (Disruptive world events)

BIBLIOGRAPHY

- www.textilelearner.blogspot.com
- www.slideshare.net/MohaddesaDehghani/fashion-terminology-73084370
- www.slideplayer.com/slide/4888082/
- www.brainkart.com/article/Theories-of-Fashion_35653/